गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 182
दि. 03.11.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी ने पटना में 'माहौल' बदल दिया, 2.8 किमी. लंबे रोड शो में उमड़ी भारी भीड़

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव के माहौल को गरमाते हुए पटना में एक विशाल रोड शो किया, जिसने राजधानी को पूरी तरह से भगवा रंग में रंग दिया। यह भव्य आयोजन केवल एक चुनावी प्रचार से कहीं बढ़कर था; इसके जरिए पीएम मोदी ने कई रणनीतिक संदेश दिए और बिहार के विभिन्न वर्गों के मतदाताओं को साधने का प्रयास किया।

रोड शो के दौरान भारी जनसैलाब उमड़ा, 'मोदी जिंदाबाद' के नारों से पूरा रास्ता गूंज उठा, जिससे भाजपा और ठऊ्अ के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की गई। यह रोड शो बिहार चुनाव में भाजपा की आक्रामक रणनीति को दशार्ता है।

भगवा रंग में रंगा पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पटना के कदमकुआं स्थित दिनकर चौक से उद्योग भवन (गांधी मैदान) तक 2.8 किलोमीटर लंबा भव्य रोड शो किया। फूलों से सजी गाड़ी में पीएम मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, सांसद रविशंकर प्रसाद, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और अन्य स्थानीय नेता मौजूद थे, जिन्हें पीएम ने खुद बुलाया था। पीएम ने हाथ में पार्टी का सिंबल कमल का फूल लेकर जनता का अभिवादन किया। पूरे रास्ते में 'मोदी जिंदाबाद' के नारे गूंजते रहे और कई जगह लोगों ने छतों से आरती उतारकर उनका स्वागत किया। यह रोड शो जनता से सीधा जुड़ाव स्थापित करने का एक बड़ा प्रयास था।

14 विधानसभाओं को साधने की रणनीति

पीएम मोदी का यह रोड शो केवल एक प्रदर्शन नहीं था, बल्कि एक सुनियोजित चुनावी रणनीति का हिस्सा था। उनकी गाड़ी में पटना के छह विधानसभा क्षेत्रों – पटना साहिब, कुम्हरार, दानापुर, दीघा, बांकीपुर और फुलवारी – के प्रत्याशी एक-एक कर उनके साथ सवार हुए। इस तरह, पीएम मोदी ने एक साथ पटना की 14 विधानसभाओं के मतदाताओं को साधने की कोशिश की। यह रणनीति स्थानीय उम्मीदवारों को सीधे प्रधानमंत्री के साथ जोड़कर मतदाताओं पर सीधा प्रभाव डालने की थी। रोड शो के पूरे रास्ते में 10 स्वागत प्वाइंट बनाए गए थे, जो इस आयोजन की व्यापकता को दशार्ते हैं।

ठऊ्अ नेताओं संग डिनर

रोड शो समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीधे तख्त श्रीहरिमंदिर साहिब गुरुद्वारे पहुंचे,

जहां उन्होंने मत्था टेका। यह धार्मिक दौरा न केवल सिख समुदाय को साधने का प्रयास था, बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक सद्भाव का संदेश भी देता है। गुरुद्वारे से निकलने के बाद, पीएम मोदी ने राजभवन में ठऊ्अ नेताओं के साथ रात्रिभोज किया। यह डिनर गठबंधन में एकजुटता दिखाने और बिहार चुनाव के अंतिम चरणों से पहले रणनीति पर चर्चा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर था। यह दशार्ता है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल बिहार में सत्ता हासिल करने के लिए पूरी तरह से सक्रिय हैं।

बाहुबली रॉकेट से लॉन्च की सबसे एडवांस्ड कम्युनिकेशन सैटेलाइट, पीएम मोदी ने दी बधाई

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सफलतापूर्वक सबसे एडवांस्ड कम्युनिकेशन सैटेलाइट GSAT-7R लॉंच कर दिया है। CMS-03 (GSAT-7R) एक स्वदेशी संचार उपग्रह है जिसे भारत में ही डिजाइन और निर्मित किया गया है। यह उपग्रह भारत का अब तक का सबसे भारी संचार उपग्रह है, जिसका वजन लगभग 4,400 किलोग्राम है इसलिए इसे बाहुबली नाम दिया गया है। इस सैटेलाइट को लॉन्च करने के लिए LVM3-M5 रॉकेट का इस्तेमाल किया गया है, जिसे उसकी शानदार भार उठाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' उपनाम दिया गया है। यह उपलब्धि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस प्रक्षेपण को "आत्मनिर्भर भारत की नई उड़ान" के रूप में देखा जा रहा है। इसके जरिए नौसेना के जहाजों, विमानों, पनडुब्बियों और समुद्री

परिचालन केंद्रों के बीच तेज व सुरक्षित संचार स्थापित करेगा। समुद्री सुरक्षा, निगरानी और नौसेना की नेटवर्क क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करेगा, जिससे भारत की रक्षा प्रणाली को नई मजबूती मिलेगी।

2 नवंबर को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC) के दूसरे लॉन्च पैड से शाम 5:26 बजे प्रक्षेपित किए गए सैटेलाइट के बारे में इसरो ने जारकारी दी कि 16 से 20 मिनट की उड़ान के बाद बाहुबली रॉकेट 180 किमी की ऊंचाई पर सैटेलाइट से अलग हो गया।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सफल प्रक्षेपण पर क्रफ्ढ को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट कर कहा, "हमारा अंतरिक्ष क्षेत्र हमें निरंतर गौरवान्वित करता है! भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह उटर-03 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो को बधाई। हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की बदौलत हमारा अंतरिक्ष क्षेत्र उत्कृष्टता और नवाचार का पर्याय बन गया है, यह सराहनीय है। उनकी सफलताओं ने राष्ट्रीय प्रगति को आगे बढ़ाया है

बेमौसम बारिश से कृषि फसलों को हुए नुकसान पर शीघ्र ही राहत पैकेज घोषित करेगी गुजरात राज्य सरकार

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने एक्स पर पोस्ट कर दी जानकारी

गांधीनगर, 02 नवम्बर:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले कुछ दिनों में हुई बेमौसम बारिश के कारण किसानों की खड़ी फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। इस अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदा के समय में राज्य सरकार पूरी संवेदना के साथ किसानों के साथ खड़ी है।

श्री पटेल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा, ह्वराज्य के मंत्रियों ने विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों का प्रत्यक्ष दौरा कर किसानों की स्थिति जानी है। प्रशासन द्वारा फसल को हुए नुकसान की समीक्षा तथा सर्वेक्षण का कार्य अत्यंत तेजी से शुरू किया जा रहा है। मैं इस संदर्भ में निरंतर मंत्रियों एवं अधिकारियों के साथ समन्वय में हूँ।ह्व

उन्होंने कहा कि धरतीपुत्रों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर राज्य सरकार किसानों को इस नुकसान में सहायक होने के लिए शीघ्र ही राहत-सहायता पैकेज घोषित करेगी।

खुशखबरी: इस राज्य के 5 लाख युवाओं को मिलेगी नई नौकरी, नितिन गडकरी ने किया बड़ा खुलासा

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अगले पांच सालों में 5 लाख नई नौकरियां पैदा करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, विशेषकर महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कौशल विकास केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देना चाहिए। यह घोषणा नागपुर स्किल सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर की गई, जो औद्योगिक विकास संघ (AID) की एक पहल है। इस केंद्र को नागपुर नगर निगम, टाटा ट्रस्ट्स की टाटा स्ट्राइव और विदर्भ ग्लोबल फाउंडेशन का सहयोग प्राप्त है।

"द फारेस्ट स्टोर" एण्ड "नव्या फाउन्डेशन" किसानों को जोड़ेगा डिजिटल बाजार से, जंगल किनारे के गाँव में बनेगे लोग आत्मनिर्भर

(जीएनएस)।

दिनांक: 2 नवम्बर 2025

स्थान: खड़िया गाँव, कतर्निघाट,

आज "The Helping Hand" & Navya Foundation ने खड़िया गाँव में "The Forest Store" नामक वर्चुअल स्टोर की शुरूआत की, जो किसानों को गाँव से ही अपना अनाज बेचने का डिजिटल मंच प्रदान करेगा। यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य गाँव में ही दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।इस योजना से खड़िया गाँव के 20 से अधिक किसान जुड़ चुके हैं। उन्होंने गन्ने की जगह पीली सरसों की खेती शुरू करने का निर्णय लिया है। The Forest Store इन किसानों से सरसों, सब्जी, दूध को उचित मूल्य पर गाँव में ही खरीदेगा व Navya Foundation उसको सीधे ग्राहकों तक पहुँचाएगा, ताकि किसानों को अधिक लाभ मिल सके। संस्था ने किसानों के उत्साह को बढ़ाने के लिए खड़िया गाँव से 250 क्विंटल पीली सरसों का अग्रिम ऑर्डर भी दिया है। इससे किसानों में खुशी और आत्मविश्वास दोनों देखने को मिल रहे हैं।इसके साथ ही संस्था ने नव्या फाउंडेशन के साथ मिलकर लखनऊ और बहराइच में सरसों तेल

की पहली बिक्री शुरू करने की तैयारी भी कर ली है।इस अवसर पर ळॆं ली'ग्रल्लॅ लंल्ल्ी के संस्थापक शाश्वत राज ने कहा झ्रनव्या फाउंडेशन के संस्थापक ने कहा –

हमारी पूरी कोशिश होंगी की खड़िया गाँव के किसानो को अनाज बेचने के लिए अब कही जाना ना पड़े और जो जो किसान संस्था के साथ जुड़े है मे उनका आभार व्यक्त करता हूँ

यह कार्यक्रम "The Tiger Cubs Homestay" पर हुआ और जिसका उद्देश्य है —"किसान अनाज को गाँव में ही बेच सके, किसानों को सही मूल्य देना और प्रकृति के साथ संतुलन बनाना।

मुख्य बिंदु:The Forest Store: किसानों को गाँव में ही डिजिटल बाजार उपलब्ध कराने वाली अनोखी पहल।20 से अधिक किसान जुड़े, पीली सरसों की खेती शुरू।संस्था ने 250 क्विंटल पीली सरसों का अग्रिम ऑर्डर किया।नव्या फाउंडेशन के सहयोग से लखनऊ और बहराइच में बिक्री प्रारंभ होगी।

गन्ने की खेती कम होने से मानव-वन्यजीव संघर्ष में कमी आएगी।महिलाओं और युवाओं को स्थानीय रोजगार का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम मे नव्या फाउंडेशन के संस्थापाक देवेंद्र त्रिवेदी, आवंकित श्रीवास्तव और बड़ी संख्या मे किसान और महिलाए रही।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को किया सम्मानित

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 1454 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। 62 शोधार्थियों को विद्या वारिधि और 3 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई, जबकि 615 विद्यार्थियों को परास्नातक और 774 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन की विविध वनस्पतियों पर आधारित दो पुस्तकें ह्यफ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवनह्व एवं ह्यमेडिसिनल प्लांट्स ऑफ राष्ट्रपति भवनह्व की प्रतिलिपियाँ भी भेंट कीं।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने पदक प्राप्त विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के जीवन-निर्माण में योगदान देने वाले अध्यापकों और अभिभावकों का भी विशेष अभिनंदन किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों में 64 प्रतिशत बेटियाँ हैं तथा पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में चार गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विकसित भारत के उस स्वरूप का परिचायक है जिसमें महिलाएँ नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय महर्षि पतंजलि की तप, साधना और ज्ञान परंपरा को आधुनिक समाज के लिए सुलभ बना रहा है। विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की भारत-केन्द्रित शिक्षा-दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि इसमें विश्व बंधुत्व की भावना, वैदिक ज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समन्वय और वैश्विक चुनौतियों के समाधान जैसी विशेषताएँ निहित हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से वसुधैव कुटुंबकम् की भावना पर आधारित जीवन-मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान-प्राप्ति नहीं है, बल्कि सदाचार, तपस्या, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल आत्म-विकास

एमवीए और एमएनएस को चर्चगेट से शुरू होकर बीएमसी मुख्यालय तक 'सत्याचा मोर्चा' मार्च निकालना पड़ा भारी, आखिर पुलिस ने क्यों दर्ज किया केस?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में कथित मतदाता सूची अनियमितताओं के विरोध में 1 नवंबर को महा विकास अघाड़ी (टश्अ) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (टठर) ने "सत्याचा मोर्चा" निकाला। यह मोर्चा चर्चगेट से शुरू होकर बीएमसी मुख्यालय तक गया, जहाँ शीर्ष विपक्षी नेताओं ने सभा को संबोधित किया। लेकिन विरोधी पार्टियों को मुंबई में ये विरोध मार्च करना काफी भारी पड़ा है।

मुंबई पुलिस ने टश्अ और टठर द्वारा आयोजित 'सत्याचा मोर्चा' के आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई बिना अनुमति के रैली निकालने और निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में की गई है। इस विरोध मार्च में उद्धव ठाकरे, शरद पवार और राज ठाकरे जैसे प्रमुख नेता शामिल थे।

बिना परमीशन के आयोजित किया विरोध-प्रदर्शन

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 1 नवंबर की रात आयोजित इस विरोध प्रदर्शन के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। इसके बावजूद, विपक्षी दलों ने यह मार्च निकाला। पुलिस ने स्पष्ट किया कि रैली के आयोजन से पहले आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी, जो नियमों का उल्लंघन है।

हालांकि पुलिस ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि कितने व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। फिलहाल, जांच जारी है और पुलिस रैली से जुड़े वीडियो तथा अन्य साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है, ताकि जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान की जा सके।

विरोध-प्रदर्शन में जुटे थे ये विपक्षी दिग्गन नेता

गौरतलब है कि 1 नवंबर 2025 को विपक्षी पार्टियों के इस विरोध प्रदर्शन में लोगों का भारी जमावड़ा देखा गया। इस विरोध-मार्च का आयोजन कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के महा विकास अघाड़ी गठबंधन ने एमएनस के साथ मिलकर किया था। पक्षी नेताओं में उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे, शरद पवार, बालासाहेब थोरात और जयंत पाटिल जैसे प्रमुख नाम शामिल थे।

महाराष्ट्र वोटर लिस्ट को लेकर लगाए गंभीर आरोप

विपक्ष का आरोप है कि राज्य की मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर फर्जी और डुप्लीकेट नाम शामिल हैं। महाराष्ट्र वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हो रही हैं, जिनका लाभ सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को मिल रहा है। इसी मुद्दे को लेकर 'सत्य के लिए मार्च' या 'सत्याचा मोर्चा' का आयोजन किया गया था।

पुलिस ने क्या लगाए हैं आरोप?

'सत्याचा मोर्चा' नाम का विरोध मार्च दक्षिण मुंबई के फैशन स्ट्रीट से शुरू हुआ और लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) मुख्यालय पर समाप्त हुआ।

सम्पादकीय

अक्सर अपने चुनावी वादों को पूरा नहीं करते दल

1969 के लोक सभा चुनावों से पहले सारे देश में लोक सभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते थे और जनता उस समय परटियों द्वारा घोषित किए गए चुनावों घोषणा पत्र पर भरोसा कर के वोट देती और यह मान कर चलती की पाटा जो भी वायदा अपने चुनावी घोषणा पत्र में कर रही है वो पूरा करेगी। 1969-70के चुनावों में वुछ अलग हुआ, कांग्रेस का दो धड़ों में बटवारा हुआ एक धडा प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में आस्था रखने वालों का था जिसके इंडीकेट कहा गया जिसके अध्यक्ष बाबू जगजीवन राम थे और इस पाटा का चुनाव चिन्ह दो बैलों की जोड़ी के बजाय गाय और बछड़ा हो गया और दूसरा धडा सिडिकेट बना जिसमे निजलिगप्पा, के काम राज, मुरारजी देसाईं, चंद्र भानु गुट जैसे लोगों का बना और इन्हें कांग्रेस ओ के नाम से मान्यता मिली और इनका चुनाव चिन्ह चरखा था। पहली बार इन चुनावों में इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया और देश की जनता ने इस नारे पर विश्वास करते हुए इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस आई को भारी मतों से जितवाया। इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के गरीबी हटाओ वाले नारे ने उन्हें लोकसभा में भारी बहुमत से जितवा दिया और लाल बहादुर शास्त्री जी के निधन के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहने वाले कामराज, निजलिगप्पा, चंद्रभानु गुप्ता, मोरारजी देसाईं आदि को उन्हें अपनी अवकात दिखा दी। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या वो सरकार गरीबी हटाओ का नारा चरितार्थ कर पाईं या ये गरीबी हटाओ का नारा भी चुनावी जुमला ही साबित हुआ तो उस कार्यकाल में श्रीमति इंदिरा गांधी ने बंगला देश युद्ध में विजय और पाकिस्तान के दो टुकड़े कर देने के पात जहां पूरे देश के लिए चंडी दुर्गा के रूप में मानी जाने लगी वही जय प्रकाश नारायण के समग्र आंदोलन को दबाने के लिए आपातकाल की घोषणा के साथ ही एक निरंवुश शासक बन गईं, यद्यापि आपातकाल के दौरान जहां सरकारी मशीनरी ठीक से काम करने लगी, भूमिहीनों को जमीन बाटी गईं और परिवार नियोजन पर बहुत ही बढ़िया काम हुए वही आपात काल में प्रेस की आजादी पर रोक, जबरन नसबंदी जैसे कार्यो ने उनके पॉपुलैरिटी के ग्राफ को एकदम नीचे गिरा दिया और चुनाव के समय उनका गरीबी हटाओ अभियान कही पीछे छूट गया। प्रेस की आजादी और लोक तंत्र की बहाली के वादे के नाम पर लगभग 5 दलों को मिलाकर जनता पाटा की सरकार सत्ता में तो आ गईं पर इस सरकार के बनते ही सरकार में बैठे लोग प्रेस की आजादी और लोकतंत्र की बहाली जैसे मुद्दे तो पीछे छोड़कर आपस में लड़ने और इंदिरा गांधी को जेल में डालने की जुगत में लगे रहे परिणाम यह हुआ कि जनता पाटा सरकार जय प्रकाशन नारायण के सामने ही बिखर गईं और जिस इंदिरा गांधी को जेल में डालने में लगे थे वे उन्हीं इंदिरा गांधी के हाथों शतरंज की मोहरों जैसे खेलने लगे और उनके सपोर्ट से चौधरी चरण सिह प्रधानमंत्री बन गए और देश के इकलौते प्रधानमंत्री बने जो प्रधानमंत्री के रूप में एक दिन भी संसद का मुंह न देख सके, सत्ता के खेल में माहिर इन्दिरा गांधी ने चौधरी चरण सिह सरकार से समर्थन खींच लिया और देश 1980में मध्यावधि चुनाव झेलने को मजबूर होगया और प्रेस की आजादी और लोकतंत्र की बहाली का मुद्दा धरा का धरा रह गया। 1980 में इंदिरा गांधी ने नारा दिया कि चुने उन्हें जो सरकार चला सके और जिन मतदाताओं ने दो -ढाईं साल पूर्व उन्हें बुरी तरह से पराजित कर दिया था और वे राय बरेली से भी अपनी सीट हार गईं थी वो पूर्ण बहुमत से सरकार में आ गईं, उनकी हत्या के बाद राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री बने पर उन्हें अगले चुनाव में बोफोर्स तोप दलालों के आरोपों का सामना करना पड़ा और वे चुनाव हार गए और सरकार में भ्रष्टाचार समाप्त करने के वादे पर विश्वनाथ प्रताप सिह देश के प्रधानमंत्री बने। विश्वनाथ प्रताप सिह सिह की सरकार बोफोर्स तोप दलाली के आरोपों की जांच कराने और सार्वजनिक जीवन में ईंमानदारी के नाम पर सत्ता में आईं पर उनके कार्यकाल में बोफोर्स तोप दलालों के विरुद्ध ने कोईं जांच हुईं और न ही जो लोग बोफोर्स दलालों के आरोपों से घिरे थे उनके विरुद्ध कोईं कार्यवाही हुईं। हा ये जरूर रहा कि विश्व नाथ प्रताप सिह की सरकार में उप प्रधानमंत्री चौधरी देवी लाल के सुपुत्र ओम प्रकाश चौटाला हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरते पाए गए और उनको मुख्य मंत्री के पद से हटाने का पैसला प्रधानमंत्री विश्व नाथ प्रताप सिह को इतना भरी पड़ गया कि उनको अपनी सरकार गंवाने पड़ी और जो सरकार भ्रष्टाचार उन्मूलन के नाम पर सत्ता में आईं वह भ्रष्टाचार समाप्त करना तो दूर देश की राजनीति में मंडल और कमंडल का ऐसा मुद्दा छोड़ गईं कि आज देश में हिदू राष्ट्र निर्माण और जातिवादी जनगणना पर ही एक गया है।

भारत के 'त्रिशूल' से थरार्या पाकिस्तान, जानिए 10 नवंबर तक क्या-क्या होने वाला है?

(जीएनएस)।

भारत ने सामरिक रूप से संवेदनशील सर क्रीक इलाके में तीनों सेनाओं के संयुक्त सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल' की शुरूआत कर दी है। 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक चलने वाला यह अभ्यास हाल के वर्षों का सबसे व्यापक Tri-Service Exercise है, जिसका मुख्य उद्देश्य थल सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच ऑपरेशनल तालमेल को मजबूत करना है।

इस बड़े युद्धाभ्यास ने पड़ोसी देश पाकिस्तान में बेचैनी बढ़ा दी है, जिसने आनन-फानन में लगातार दो NOTAM (Notice to Airme»»f) जारी कर अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है, जिससे क्षेत्र में सैन्य तनाव स्पष्ट रूप से बढ़ गया है। भारत इस अभ्यास के जरिए अपनी स्वदेशी रक्षा तकनीकों की क्षमता भी प्रदर्शित करेगा।

'त्रिशूल' युद्धाभ्यासः भारत की तीनों सेनाओं का शक्ति प्रदर्शन

भारत का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल' 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक चलेगा। यह रक्षा मंत्रालय के अनुसार, हाल के वर्षों में देश का सबसे व्यापक Tri-Service Exercise है, जिसमें थल सेना, नौसेना और वायुसेना एक साथ युद्धाभ्यास कर रही हैं। इसका मुख्य उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच ऑपरेशनल तालमेल को मजबूत करना, युद्ध के जमीन, हवा और समुद्र तीनों मोर्चों पर संयुक्त रणनीति बनाना और आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी तकनीकों की क्षमता

प्रदर्शित करना है। यह अभ्यास सौराष्ट्र तट, अरब सागर के तटीय इलाकों और पश्चिमी रेगिस्तानी क्षेत्र में एक साथ चल रहा है।

पाकिस्तान की बेचैनी और NOTAM की कतार

भारत के 'त्रिशूल' सैन्य अभ्यास की घोषणा से पाकिस्तान में बेचैनी बढ़ गई है। भारत के युद्धाभ्यास से ठीक पहले पाकिस्तान ने आनन-फानन में लगातार दो बार NOTAM (Notice to Airmen) जारी कर दिया। इस्लामाबाद ने 28 और 29 अक्टूबर के बीच कई हवाई मार्गों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। पांच दिनों के भीतर पाकिस्तान ने दूसरा नोटम जारी किया, जिसमें 30 नवंबर तक हवाई क्षेत्र को बंद रखने की बात कही गई है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भारत के त्रिशूल अभियान के जवाब में उठाया गया है। संभावना है कि पाकिस्तान भी किसी मिसाइल परीक्षण या नौसैनिक अभ्यास की तैयारी कर रहा है।

'त्रिशूल' का सामरिक महत्वः लॉन्ग-रेंज हथियारों का परीक्षण?

भारत का यह सैन्य अभ्यास सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ओपन सोर्स इंटेलिजेंस विशेषज्ञ डेमियन साइमन द्वारा साझा की गई सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि भारत ने अपने त्रिशूल अभ्यास के लिए 28,000 फीट तक का हवाई क्षेत्र आरक्षित किया है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि इस दौरान भारत अपनी लॉन्ग-रेंज और हाइपरसोनिक तकनीक वाले हथियारों का परीक्षण भी कर सकता है। सर क्रीक क्षेत्र पहले से ही भारत-पाक सीमा के पास स्थित एक संवेदनशील इलाका है। ऐसे में यह अभ्यास न केवल भारत की सैन्य तैयारियों को दशार्ता है बल्कि संभावित क्षेत्रीय चुनौतियों के लिए एक मजबूत संदेश भी देता है।

'अब चाय में दूध नहीं, बादाम', लैक्टोज इनटॉलरेंस से बदल रही है युवाओं की फूड हैबिट?

(जीएनएस)।

कई पीढ़ियों तक भारतीय थाली में दूध और डेयरी उत्पाद अहम हिस्सा रहे हैं। सुबह की चाय में दूध, दोपहर के खाने में दही, और त्योहारों में पनीर की डिश। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। आज के समय में बहुत से युवा भारतीय महसूस कर रहे हैं कि दूध अब उतना सुकून नहीं देता जितना पहले देता था।

खाने के बाद गैस, पेट फूलना, ऐंठन, एसिडिटी या अचानक थकान जैसी समस्याएं अब आम हो गई हैं। अक्सर इन्हें "सामान्य" मान लिया जाता है। दरअसल, इन लक्षणों की जड़ में लैक्टोज इनटॉलरेंस यानी दूध को पचाने में असमर्थता होती है।

शरीर खुद देता है संकेत

लैक्टोज इनटॉलरेंस कोई एलर्जी नहीं है, बल्कि शरीर की वह स्थिति है जिसमें दूध में मौजूद शुगर लैक्टोज को तोड़ने में दिक्कत होती है। बहुत से लोगों को इसका पता अचानक चलता है। जैसे एक हफ्ते तक चाय में दूध न डालने या दही छोड़ देने पर पेट हल्का और आरामदायक महसूस होना।

डॉक्टरों के अनुसार, यह समस्या काफी आम है। इसमें जेनेटिक्स (वंशानुगत कारण) भूमिका निभाता है, लेकिन तनाव, एंटीबायोटिक का ज्यादा इस्तेमाल, या गलत खानपान की आदतें भी पाचन को कमजोर कर देती हैं। कई लोग सालों तक इस समस्या से जूझते हैं, पर इसे पहचान नहीं पाते।

अब बढ़ रहा है प्लांट-बेस्ड (वनस्पति आधारित) विकल्पों का चलन

जब लोग महसूस करते हैं कि डेयरी से दूर रहना उनके पेट के लिए बेहतर है, तो वे विकल्प ढूंढना शुरू करते हैं। यही वह समय है जब वीगन या प्लांट-बेस्ड विकल्प सामने आते हैं। बादाम दूध, सोया दूध, ओट मिल्क, नारियल दूध, काजू चीज, मूंगफली दही, और टोफू (पनीर का विकल्प) आज शहरों में आसानी से उपलब्ध हैं। अब ये "नए या अजीब" नहीं लगते। सुपरमार्केट और कैफे में ये आम हो चुके हैं। ये सिर्फ लैक्टोज इनटॉलरेंस वालों के लिए नहीं हैं। ये हल्के, पचने में आसान और शरीर को ऊर्जा और संतुलन देते हैं।

भारतीय स्वाद से समझौता नहीं

डेयरी छोड़ने का मतलब यह नहीं कि भारतीय स्वाद को अलविदा कहना पड़े।

नारियल दूध दक्षिण भारतीय करी में बेहतरीन फिट बैठता है।

टोफू से वही डिश बन सकती है जो पहले पनीर से बनती थी।

बादाम दूध स्मूदी या खीर में आसानी से घुल जाता है।

मूंगफली का दही कढ़ी, रायता या छाछ में इस्तेमाल किया जा सकता है।

अगर सही संतुलन रखा जाए तो स्वाद बिल्कुल भी कम नहीं होता।

त्वचा और फिटनेस पर भी असर

कई डमेटीलॉजिस्ट (त्वचा विशेषज्ञ) बताते हैं कि डेयरी घटाने से एक्ने (मुंहासे) में कमी आती है। वहीं फिटनेस प्रेमियों का कहना है कि प्लांट-बेस्ड डाइट से पाचन सुधरता है और रिकवरी तेज होती है। स्टेरिस हेल्थकेयर के चेयरमैन जीवन् कसारा के अनुसार, "लैक्टोज इनटॉलरेंस अब कोई दुर्लभ समस्या नहीं है। युवा भारतीय समझ रहे हैं कि दूध के बाद पेट में भारीपन या थकान सामान्य नहीं है। जब वे डेयरी छोड़कर बेहतर महसूस करते हैं, तो वे दोबारा उसे अपनाना नहीं चाहते।"उन्होंने कहा, "यह बदलाव किसी ट्रेंड से नहीं, बल्कि शरीर की प्रतिक्रिया से प्रेरित है। जब दूध, दही या पनीर सुकून देना बंद कर दें, तो प्लांट-बेस्ड विकल्प ही सबसे व्यावहारिक लगने लगते हैं।"

यह बदलाव अब रुकने वाला नहीं

आज अधिकतर भारतीय अपने खाने की आदतों पर फिर से सोच रहे हैं। जब वे डेयरी छोड़ने के बाद पेट की तकलीफ, सुस्ती या स्किन की समस्या से राहत महसूस करते हैं, तो यह बदलाव उन्हें "ट्रेंड" नहीं बल्कि जरूरत लगता है। आखिर बात बस इतनी है - जो शरीर को अच्छा लगे, वही खाओ। अगर इसका मतलब दूध या पनीर की जगह वनस्पति आधारित विकल्पों को अपनाना है, तो यह बदलाव न सिर्फ आसान है बल्कि शरीर को सुकून देने वाला भी।

बाहुबली क्या है, जिसे भारतीय जमीन से इसरो ने किया लॉन्च?

(जीएनएस)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) आज इतिहास रचने को तैयार है। 'बाहुबली' के नाम से मशहूर LVM3-M5 रॉकेट से 4,410 किलोग्राम वजनी CMS-03 संचार उपग्रह को लॉन्च किया गया। यह भारतीय मिट्टी से जीयोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) में भेजा जाने वाला अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट है।

रविवार (2 नवंबर 2025) को शाम 5:26 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च निर्धारित था। कारगिल युद्ध के सबक से प्रेरित यह मिशन नेवी की कम्युनिकेशन क्षमता को कई गुना मजबूत करेगा। आइए, जानते हैं 'बाहुबली' रॉकेट की पूरी कहानी...

नाम जैसे गुण, ISRO की आत्मनिर्भरता का प्रतीक

LVM3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3), जिसे वैज्ञानिक जीएसएलवी एमके III भी कहते हैं, अपनी जबरदस्त लिफ्टिंग कैपेसिटी के कारण 'बाहुबली' नाम से जाना जाता है। यह त्रि-चरणीय रॉकेट है, जिसमें दो र200 ठोस ईंधन वाले स्ट्रैप-ऑन बूस्टर, L110 लिक्विड कोर स्टेज और C25 क्रायोजेनिक चरण शामिल हैं।

ऊंचाई और क्षमताः 43.5 मीटर लंबा यह रॉकेट GTO में 4,000 किलो तक के भारी सैटेलाइट्स को भेज सकता है। लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में तो यह 8,000 किलो का पेलोड ले जा चुका है।

खास बदलावः LVM3-ट5 मिशन के लिए रॉकेट में स्ट्रक्चरल मॉडिफिकेशन किए गए हैं, जिससे वजन कम हुआ और थ्रस्ट बढ़ा। इससे यह और अधिक कुशल हो गया।

पिछले रिकॉर्डः चंद्रयान-3

(3,900 किलो पेलोड GTO में) और वनवेब मिशन (5,800 किलो LEO में) जैसी सफलताओं का श्रेय इसी को जाता है। आज यह LVM3 की पांचवीं ऑपरेशनल फ्लाइट है।

CMS-03 (कोडनेम GSAT-7R) एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जो UHF, S, C और Ku बैंड पेलोड्स से लैस है। वजन 4,410 किलोग्राम का यह सैटेलाइट पुराने GSAT-7 (रुक्मिणी) की जगह लेगा, जो 2013 से नेवी का मुख्य संचार आधार रहा है।

मकसदः भारतीय भूभाग और हिंद महासागर के विशाल क्षेत्र में सुरक्षित वॉयस, वीडियो और डेटा लिंक प्रदान करेगा। युद्धपोतों, पनडुब्बियों, विमानों और कमांड सेंटर्स के बीच रीयल-टाइम कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।

सैन्य महत्वः नेटवर्क-सेंट्रिक वॉरफेयर को बूस्ट देगा। एयर डिफेंस, स्ट्रैटेजिक कमांड और नेवल ऑपरेशंस के लिए क्रांतिकारी साबित होगा। क्रग्फ्द ने सैन्य उपयोग की पुष्टि नहीं की, लेकिन विशेषज्ञ इसे नेवी-केंद्रित मानते हैं।

ऑर्बिट जर्नीः लॉन्च के बाद GTO (29,970 ' ७ 170 ') में पहुंचेगा। 3-4 दिनों में अपना इंजन फायर कर जियोस्टेशनरी ऑर्बिट (GEO, 36,000 ' ऊंचाई) में स्थापित हो जाएगा, जहां 24 घंटे कवरेज मिलेगा।

दुनिया का सबसे भारी ऋळड सैटेलाइट EchoStar 24 (9,000 किलो) था, जिसे स्पेसएक्स ने लॉन्च किया। लेकिन भारतीय मिट्टी से CMS-03 एक नया रिकॉर्ड बनेगा।

विदेशी मदद न मिली तो ISRO ने खुद बनाया सैटेलाइट नेटवर्क

1999 के कारगिल संघर्ष ने भारत को झकझोर दिया। ऊंची चोटियों पर छिपे पाकिस्तानी घुसपैठियों को ट्रैक करने के लिए GPS की सख्त जरूरत थी। अमेरिका से मदद मांगी गई, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया - वजह पाकिस्तान से उनकी नजदीकी। इस झटके से प्रेरित होकर भारत ने दो मोर्चों पर काम शुरू कियाः स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम (नाविक) और सैन्य संचार सैटेलाइट्स।

रुक्मिणी (GSAT-7) इसका पहला फल था, जो नेवी को स्वावलंबी बनाया। अब उटर-03 इस नेटवर्क को अपग्रेड करेगा, ताकि भविष्य में कोई विदेशी निर्भरता न रहे। ISRO ने विदेशी लॉन्च (जैसे 2018 में फ्रेंच गयाना से 5,854 किलो GSAT-11) पर भी निर्भरता कम की है।

LVM3-M5 मिशनः 5 पॉइंट में समझें क्यों है खास

क्रमांक टॉपिक डिटेल

1 आत्मनिर्भरता पहली बार भारतीय मिट्टी से 4.4 टन सैटेलाइट GTO में, विदेशी लॉन्च की जरूरत खत्म।

2 तकनीकी ताकत S200 बूस्टर तिरुवनंतपुरम में, L110 स्टेज लिक्विड प्रोपल्शन सेंटर में विकसित।

3 नेवी बूस्ट रीयल-टाइम कम्युनिकेशन से स्ट्रैटेजिक एज, हिंद महासागर में कंटीन्यूअस कवरेज।

4 ग्लोबल स्टैंडिंग ISRO की भारी लिफ्ट क्षमता दुनिया में मजबूत, चंद्रयान-3 जैसी सफलताओं का विस्तार।

5 लागत-प्रभावी कम खर्च में भारी पेलोड, भारत को स्पेस पावर बनाता।

लॉन्च के बाद सैटेलाइट 3-4 दिनों में GEO में पहुंचेगा। ISRO चीफ बोले, 'यह मिशन भारत की स्पेस क्षमता को नई ऊंचाई देगा।' नेवी के लिए यह 'गेम चेंजर' साबित होगा।

कुलदीप यादव तुरंत ऑस्ट्रेलिया छोड़ लौट रहे भारत, अगले 2 टी20 नहीं खेलेंगे, क्या है कारण

(जीएनएस)।

टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए दो टी20 मैचों का हिस्सा नहीं होंगे। वह तुरंत प्रभाव से ऑस्ट्रेलिया छोड़कर भारत लौट रहे हैं और खास वजह से यह फैसला लिया गया है।

कुलदीप अब इंडिया ए टीम से जुड़ेंगे, जो 6 नवंबर से बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू होने वाले दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ खेलेगी। यह सीरीज भारत और मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन साउथ अफ्रीका के बीच होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारियों का हिस्सा है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 22

नवंबर से गुवाहाटी में होगा। कुलदीप के लिए यह रेड-बॉल क्रिकेट में अपनी फॉर्म और रिदम को परखने का बेहतरीन मौका होगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए तीसरे टी20 मैच में, जिसमें टीम इंडिया ने सीरीज बराबर की, कुलदीप यादव को भी प्लेयिंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी।

अंतिम बाद टेस्ट कब खेले थे कुलदीप यादव

पिछले कुछ समय से कुलदीप की टेस्ट मैचों में उपस्थिति काफी सीमित रही है। इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में उन्हें एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला था। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट में हिस्सा लिया था। इसके बाद जब भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट खेले, तो कुलदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 विकेट झटके थे, जिसमें एक बार उन्होंने पांच विकेट भी अपने नाम किए थे।

दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने भारत दौरे पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलने वाली है, इसके लिए टीम की घोषणा फिलहाल नहीं हुई है। टेस्ट टीम के कुछ खिलाड़ी रणजी खेल रहे हैं, तो कुछ प्लेयर्स दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ खेलकर खुद को तैयार कर रहे हैं।

ज्योति सिंह ने खुद को 'परित्यक्ता' क्यों कहा? पवन सिंह ने दिया चौंकाने वाला जवाब, अक्षरा के लिए कही खास बात

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव की वजह से राज्य में सियासी पारा चरम पर हैं। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को होना है, जिसे लेकर सभी दलों ने एड़ी चोटी का दम लगा दिया है। इसी चुनावी दंगल में पॉवर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह भी काराकाट विधानसभा सीट से उतरी हैं, इस वजह से भोजपुरी स्टार पवन सिंह को भी लोग लगातार ट्रोल कर रहे हैं, इस बारे में पहली बार पवन सिंह ने चुप्पी तोड़ी है।

एक मीडिया चैनल से बात करते हुए पवन सिंह ने साफ लफ्जों में कहा कि 'कभी किसी के बारे में इतना बुरा भला नहीं बोलना चाहिए कि कभी भविष्य में मिलें तो नजरें ना मिला पाओ। मैं भी बहुत कुछ बोल सकता हूं, हर यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया पर हमारी ही बातें चल रही हैं, ये ही देख रहा हूं लेकिन मैं क्या ही कहूं।'

उनसे आगे पूछा गया कि 'वो काराकाट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने जो हलफनामा दायर किया, उसमें खुद को 'परित्यक्ता' कहा है और एक जगह उन्होंने पति के नाम पर भोजपुरी के प्रसिद्ध कलाकार लिखा है, अभी तो आप लोगों का तलाक हुआ नहीं है तो फिर आपका नाम पति के कॉलम में क्यों नहीं है?'

'ये सत्य है कि हमारा केस कोर्ट में है'

तो इस पर पवन सिंह ने कहा कि 'इस सवाल का जवाब तो वहीं दे सकती हैं, हम कैसे बताएं, ये बात हमसे पूछी भी नहीं जानी चाहिए। ये सत्य है कि हमारा केस कोर्ट में है और जो कोर्ट कहेगी वो ही मान्य होगा।' इसके बाद उनसे उनकी एक्स अक्षरा सिंह के बारे में भी सवाल किया गया जिस पर उन्होंने हैरानी भरा उत्तर दिया।

अक्षरा सिंह ने ज्योति सिंह का समर्थन किया

उनसे पूछा गया कि 'आपकी पूर्व सहयोगी अक्षरा सिंह ने ज्योति सिंह का समर्थन किया है, तो इस पर आप कुछ कहना चाहेंगे?

'दुआएं अगर कोई दे रहा है तो ले लेनी चाहिए'

तो इस पर पवन सिंह ने कहा कि 'ये लोकतंत्र है, यहां हर किसी को चुनाव लड़ने का अधिकार है, कोई किसी का समर्थन कर रहा है तो ये उसकी सोच है, उसका अधिकार है, दुआएं अगर कोई दे रहा है तो ले लेनी चाहिए। ये तो बहुत ही अच्छी बात है, बाकी कौन किसको सपोर्ट कर रहा है और किसको नहीं, इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता हूं।'

विधायिका बनना चाहती हैं: पवन सिंह

इससे पहले पवन सिंह का कहा था कि 'ज्योति सिंह विधायिका बनना चाहती हैं और इसी वजह से वो उनके साथ आने का ड्रामा कर रही हैं तो वहीं ज्योति सिंह की ओर से बार-बार यही कहा जा रहा है कि वो बस पवन सिंह से पत्नी वाला सम्मान चाहती हैं और कुछ भी उनके मन में नहीं है। वो बीवी का हक मांग रही हैं, वो अभी भी पवन सिंह की पत्नी हैं और वो नहीं चाहती हैं कि उनका तलाक हो।'

भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने रच दिया इतिहास, ऑल टाइम रिकॉर्ड तोड़कर मचाया धमाल, मिताली राज को छोड़ा पीछे

(जीएनएस)।

भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने महिला क्रिकेट इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल मुकाबले में मंधाना ने पूर्व कप्तान मिताली राज का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ते हुए नया कीर्तिमान अपने नाम किया।

मंधाना इस टूनार्मेंट में शानदार लय में रही हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप 2025 में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाए हैं और भारत के लिए टॉप स्कोरर बनी हुई हैं। फाइनल से पहले तक उनके नाम 389 रन थे, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ एक शतक भी शामिल था।

मिताली राज का रिकॉर्ड टूटा

फाइनल के पहले ही पारी में मंधाना ने शानदार शुरूआत की और

मात्र 21 रन बनाते ही मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मिताली ने 2017 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की धरती पर 409 रन बनाए थे, जो अब तक किसी भारतीय महिला खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

मंधाना ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया मुकाम हासिल किया और भारत के लिए एक ही वर्ल्ड कप एडिशन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं।

महिला वर्ल्ड कप में भारत की टॉप 5 बल्लेबाज

1 स्मृति मंधाना 434 रन, 9 पारियां

2 मिताली राज 409रन, 9 पारियां

3 पूनम राऊत 381 रन, 9 पारियां

4 हरमनप्रीत कौर 359 रन, 8 पारियां

5 स्मृति मंधाना 327 रन, 7 पारियां

स्मृति मंधाना का यह प्रदर्शन भारतीय महिला क्रिकेट के बढ़ते स्तर को दशार्ता है। लगातार बड़े मैचों में जिम्मेदारी के साथ खेलना और टीम को मजबूत शुरूआत देना, उन्हें आज की पीढ़ी की सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल करता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

उत्कृष्ट टिकट जांच कार्य के लिए सम्मान

पश्चिम रेलवे द्वारा सभी वैध यात्रियों को सुगम, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वडोदरा मंडल के मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर गहन टिकट जांच चलाए जा रहे हैं।

वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार टिकट जांच दलों द्वारा विभिन्न ट्रेनों एवं स्टेशनों पर टिकट जांच दवारा अक्टूबर माह में 8 टिकट जाँच कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन

के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री नरेन्द्र कुमार द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

श्री सक्सेना ने बताया कि मंडल के वाणिज्य विभाग के टिकट चेकिंग स्टाफ श्री डी वी चौधरी, श्री पी के झा, श्री सुनिल पंडीर श्री शैलेन्द्र क्षत्रिय , श्री एच जे लोटिया, श्री पी एस चौहान, श्रीमती भुमिका पटेल एवं श्री रतिलाल वसावा को अक्टूबर माह में टिकट चेकिंग में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। श्रीमती भुमिका पटेल ने टिकट चेकिंग में अनियमित मामले की जांच कर एक दिन की सबसे अधिक आय अंकित की।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वडोदरा ने सभी कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं समर्पण के लिए सराहा और कहा कि यात्रियों को बेहतर एवं पारदर्शी सेवा प्रदान करने के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

'अखिलेश यादव ने खुद ही अपना सत्यानाश किया', पूर्व कांग्रेसी ने राहुल गांधी के बाद अब सपा प्रमुख पर बोला हमला

पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम एक बार फिर अपने बयान के कारण एक बार फिर सुर्खियों में हैं। राहुल गांधी को "बदतमीजों के बादशाह" बताने वाले प्रमोद कृष्णम ने अब दावा किया है कि राहुल गांधी पर लूट-खसोट के केस दर्ज हैं और वो बेल पर चल रहे हैं। राहुल गांधी के संस्कारों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने दोहराया राहुल देश की मयार्दा को समझने में विफल रहे हैं।

इसके साथ ही आचार्य कृष्णम ने यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी प्रमुख अखिलेश यादव, स्वामी प्रसाद मौर्या और बसपा प्रमुख मायावती पर जमकर हमला बोला है। आचार्य कृष्णम ने कृष्णम ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव ने राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार कर अपनी पार्टी का "सत्यानाश" कर दिया है।

"घर में नहीं हैं दाने, अम्मा चली भुनाने"

आचार्य कृष्णन ने तंज कसते हुए कहा, "अखिलेश यादव की हालत ऐसी हो गई है कि "घर में नहीं हैं दाने,

अम्मा चली भुनाने" उन्होंने यह भी सलाह दी कि अखिलेश को बिहार की बजाय उत्तर प्रदेश की चिंता करनी चाहिए, क्योंकि जनता राहुल गांधी के नेतृत्व को पहले ही नकार चुकी है।

नाम बदलने की राजनीति पर क्या बोले आचार्य?

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शहरों के नाम बदलने की राजनीति पर कहा, "योगी जी चाहते हैं कि भारत की पहचान महाराणा प्रताप, गुरु गोविंद सिंह और महात्मा फुले जैसे महापुरुषों के नाम से हो, जबकि अखिलेश यादव चाहते हैं कि यह देश औरंगजेब, तैमूर लंग और बाबर के नाम से जाना जाए।" उन्होंने इसे "विचारधारा का फर्क" बताया।

"मुसलमानों को भाजपा को वोट देना चाहिए"

बसपा प्रमुख पर हमला बोलते हुए बसपा और सपा ने मुसलमानों का नुकसान किया है, भाजपा ने मुसलमानों का कोई नुकसान नहीं किया है और मोदी सरकार की किसी योजना में ऐसा नहीं लिखा कि मुसलमानों को लाभ नहीं मिलेगा। इसलिए मुसलमानों को भाजपा को ही वोट देना चाहिए।

जो गंगा स्नान करता है, वो सनातनी बन जाता है

स्वामी प्रसाद मौर्य के 'जय श्रीराम' और 'बजरंगबली' से जुड़े बयान पर आचार्य ने कहा "लोग मरने के बाद नरक में जाते हैं, पर स्वामी प्रसाद मौर्य जीते जी नरक का रास्ता प्रशस्त न करें।" यशवीर महाराज के 'जेहादियों की दुकानों का बहिष्कार' वाले बयान पर, जो तिगरी गंगा कार्तिक मेले में दिया गया था, कृष्णम ने कहा कि जो गंगा स्नान करता है और दर्शन करता है, वह भी सनातनी बन जाता है।

बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान बेगूसराय में दिखा राहुल गांधी का अलग अंदाज, स्थानीय लोगों के साथ मछली पकड़ने तालाब में कूदे

बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान रविवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बेगूसराय पहुंचे थे। इस चुनावी सभा में उन्होंने मछुआरा समुदाय को विकास की गति से जोड़ने का वादा किया। इसी दौरान उनका एक अलग ही अंदाज सामने आया। बेगूसराय में रैली के लिए पहुंचे राहुल गांधी ने वहां मछली पालन करने वाले स्थानीय लोगों से मुलाकात की। उनके साथ तालाब में छलांग लगाकर मछली पकड़ने की भी कोशिश की।

इस दौरान उनके साथ वीआईपी चीफ मुकेश सहनी और कन्हैया कुमार भी नजर आ रहे थे। राहुल ने स्थानीय लोगों से मछली पकड़ने और जाल बिछाने के बारे में भी जानकारी ली। उनका तालाब में छलांग लगाने और मछली पकड़ने की कोशिश का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो हो रहा वायरल

राहुल गांधी भी बिहार के अलग-अलग जिलों में जनसभाएं कर रहे हैं। रविवार को बेगूसराय पहुंचे राहुल

गांधी ने स्थानीय मछुआरों से बातचीत की। तालाब में उतरकर ग्रामीणों के साथ मछली पकड़ने में हिस्सा लिया और उनसे उनके कामकाज व समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने अपनी चुनावी सभा में भी मछुआरों के लिए अलग नीति लाने का आश्वासन दिया।

मछुआरों के वोट पर सबकी नजर

कांग्रेस पार्टी ने इस पूरे वाकये का वीडियो अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शेयर किया। वीडियो शेयर करते हुए पार्टी ने लिखा, 'नेता विपक्ष राहुल गांधी ने बेगूसराय में मछुआरा भाइयों से मुलाकात की, उनके साथ मछली पकड़ने की परंपरा में भाग लिया और उनके संघर्षों व चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वीआईपी पार्टी के संस्थापक मुकेश सहनी भी मौजूद रहे।'

मछुआरों या निषाद आबादी बिहार में दो फीसदी से ज्यादा है। इस वर्ग से आने वाले मुकेश सहनी को महागठबंधन ने डिप्टी सीएम का उम्मीदवार बनाया है। एनडीए ने मछुआरा समुदाय के लिए कई बड़ी घोषणाएं की हैं। पीएम मोदी ने अपनी चुनावी सभाओं में भी इस वर्ग का जिक्र किया है। अब देखना है कि इस बार यह वर्ग किसे समर्थन देता है।

सचिन पायलट ने नीतीश के लिए कह दी ऐसी बात, सुनकर जेडीयू के नेताओं का खून खौल जाएगा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव अपने अंतिम चरण में है और राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इसी कड़ी में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा है।

पायलट ने नीतीश कुमार की सत्ता लोलुपता और केंद्र सरकार के दबाव में काम करने को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं, साथ ही बिहार में महागठबंधन की जीत का भी दावा किया है।

नीतीश कुमार पर 'लाचार' होने का आरोप

सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि वे सत्ता के लालच में लाचार हो गए हैं। पायलट के अनुसार, नीतीश कुमार दिल्ली के दबाव और भाजपा के प्रभाव में अपना शासन चला रहे हैं। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि नीतीश कुमार इतने कमजोर पड़ जाएंगे। पायलट ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार का कुर्सी का मोह और सत्ता से प्रेम बिहार और बिहार के लोगों की भलाई से कहीं ऊपर है। उन्होंने उस घटना को भी याद दिलाया जब नीतीश कुमार ने कभी प्रधानमंत्री को पूरे बिहार के लोगों के नाखून कटवाकर दिल्ली कुरियर किए थे।

बिहार में 'बदलाव की सुनामी' का दावा

सचिन पायलट ने दावा किया कि

बिहार में बदलाव का माहौल आ चुका है, जो अब सुनामी में तब्दील हो गया है। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले राहुल गांधी ने एक यात्रा निकालकर निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार को बिहार के मतदाताओं के साथ धोखा न करने की चेतावनी दी थी। पायलट के अनुसार, इस यात्रा के बाद से बिहार में बदलाव की लहर तेज हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार के लोग, खासकर नौजवान, सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन चाहते हैं। पायलट को पूरा विश्वास है कि महागठबंधन प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगा।

महागठबंधन की प्रचंड बहुमत और प्राथमिकताएं

सचिन पायलट ने विश्वास व्यक्त किया कि तमाम दुष्प्रचार के बावजूद महागठबंधन जनता के कटघरे में खरा उतर रहा है और प्रचंड बहुमत के साथ बिहार में सरकार बनाएगा। उन्होंने दोहराया कि महागठबंधन ने जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा किया जाएगा। पायलट ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार की सबसे प्रमुख और बड़ी प्राथमिकता नौजवानों को रोजगार देना होगी। उन्होंने मौजूदा भाजपा-जदयू शासन पर भी निशाना साधा, जो लगातार 20 साल से सत्ता में है, लेकिन युवाओं के लिए ठोस काम नहीं कर पाया है। यह युवाओं को आकर्षित करने का एक प्रमुख चुनावी वादा है।

पीएम के रोड शो पर तंज और 'बैसाखी' का आरोप

सचिन पायलट ने प्रधानमंत्री के रोड शो पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि जिन सड़कों पर आज प्रधानमंत्री रोड शो करने जा रहे हैं, उन्हीं सड़कों पर पढ़े-लिखे नौजवानों पर लाठियां भांजी गई हैं। पायलट ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह बिहार और आंध्र प्रदेश की बैसाखियों को लेकर केंद्र में सत्ता में काबिज है। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी हालत में सत्ता में बने रहना चाहती है, लेकिन जनता सर्वोपरि है और मतदाता ही तय करेगा कि कौन सत्ता में आएगा। पायलट को पूरा विश्वास है कि 14 नवंबर को महागठबंधन मैजिक फिगर से ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बनाएगा।

'तेजस्वी खुद को नहीं बचा पाएंगे जेल जाने से', यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का खुलासा, आरजेडी की उड़ गई नींद

बिहार के मोकामा में दुलारचंद यादव हत्याकांड मामले में जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर अब राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने इसे 'जंगलराज' बताया और महागठबंधन की सरकार बनने का दावा किया, वहीं यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने उन पर तीखा पलटवार किया है।

मौर्य ने कहा कि तेजस्वी खुद भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाएंगे। यह बयानबाजी ऐसे समय में आई है जब बिहार चुनाव अपने चरम पर है, जिससे राजनीतिक सरगर्मियां और बढ़ गई हैं। तेजस्वी ने अपनी सरकार बनने पर अपराधियों की गिरफ्तारी का दावा भी किया है।

केशव प्रसाद मौर्य का तेजस्वी यादव पर पलटवार

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बिहार के बेतिया में अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। मौर्य ने सीधे तौर पर तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि, "तेजस्वी स्वयं जेल में

होंगे।" उन्होंने तेजस्वी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, विशेषकर नौकरी के बदले जमीन लेने के मामले का जिक्र किया। मौर्य ने जोर देकर कहा कि भ्रष्टाचार करने वाला, अपराध करने वाला और माफियागीरी करने वाला कोई भी हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने इसे नीतीश कुमार की सरकार का सुशासन बताया।

अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर तेजस्वी यादव का बयान

जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने इसे अपेक्षित बताया। उन्होंने कहा कि "जिस तरह की घटना हुई थी, अरेस्टिंग होना ही था।" तेजस्वी ने बिहार में 'जंगलराज' की स्थिति बनी होने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधा, यह कहते हुए कि पीएम को आरा और सासाराम में हो रही घटनाएं नहीं दिखतीं और वे इसे 'महाजंगल राज' नहीं मानते। तेजस्वी ने इस गिरफ्तारी को राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था का प्रमाण बताया और सरकार पर सवाल उठाए।

महागठबंधन की सरकार बनने का दावा

तेजस्वी यादव ने सिर्फ मौजूदा सरकार पर हमला ही नहीं बोला, बल्कि महागठबंधन की सरकार बनने का भी जोरदार दावा किया। उन्होंने कहा कि 18 नवंबर को उनकी सरकार का शपथ ग्रहण होगा। तेजस्वी ने एक बड़ा वादा करते हुए कहा कि 26 नवंबर से 26 जनवरी के बीच बिहार में जितने भी अपराधी हैं, सबकी गिरफ्तारी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराधी किसी भी जाति के हों, सरकार बनने के बाद किसी को बख्शा नहीं जाएगा। यह बयान चुनावी माहौल में कानून व्यवस्था को प्रमुख मुद्दा बनाने की राजद की रणनीति का हिस्सा है।

मुंबई : नवंबर में ड्राई डे का ऐलान, मुंबई में शराब की दुकानें कब-कब बंद?

(जीएनएस)।

अगर आप मुंबई में नवंबर के लिए कोई बर्थडे पार्टी, नाइट आउट या वीकेंड गेट-टुगेदर प्लान कर रहे हैं, तो पहले कैलेंडर चेक करें। महाराष्ट्र आबकारी विभाग ने तीन ड्राई डे घोषित किए हैं, जब पूरे शहर (और ठाणे, पुणे समेत राज्य के बाकी हिस्सों) में शराब की बिक्री और सर्विस पूरी तरह बैन रहेगी। जी हां, बार, पब, रेस्टोरेंट्स और शराब दुकानें - सब बंद।

यह नियम धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के दिनों की पवित्रता बनाए रखने के लिए है। लेकिन चिंता न करें, हम आपको डेट्स, वजहें और टिप्स सब बता रहे हैं। आइए, डिजिटल गाइड में डिटेल्स देखें - ताकि आपकी पार्टी 'ड्राई' न हो जाए!

महाराष्ट्र में कुल 25 ड्राई डे साल भर में होते हैं, लेकिन नवंबर में सिर्फ 3। ये सभी राष्ट्रीय/धार्मिक अवसरों पर हैं। यहां फुल लिस्टः-

क्रमांक तारीख दिन वजह क्या प्रभावित

1 1 नवंबर शनिवार कार्तिकी एकादशी (हिंदू उपवास का महत्वपूर्ण दिन) शराब दुकानें, बार, पब, रेस्टोरेंट्स - 24 घंटे बंद

2 5 नवंबर बुधवार गुरु नानक जयंती (सिख धर्म के संस्थापक का जन्मदिन) पूरे राज्य में अल्कोहल बैन, प्राइवेट क्लब्स भी शामिल

3 24 नवंबर सोमवार गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस (नौवें सिख गुरु की शहादत) सर्विस और सेल दोनों प्रतिबंधित, होटल्स में भी नो सर्व

भारत में ड्राई डे राष्ट्रीय, धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व के दिनों पर लगाए जाते हैं - ताकि त्योहारों की 'शुद्धता' बनी रहे। महाराष्ट्र जैसे विविध राज्य में ये हिंदू (एकादशी), सिख (गुरु जयंती) और जैन त्योहारों पर ज्यादा होते हैं। कभी-कभी चुनाव या स्पेशल इवेंट्स पर भी (जैसे 2024 में महा असेंबली इलेक्शन पर 18-23 नवंबर तक एक्स्ट्रा ड्राई डे थे)।

मकसदः जिम्मेदार ड्रिंकिंग को प्रमोट करना, अल्कोहल से जुड़ी प्रॉब्लम्स कम करना।

कवरेजः मुंबई के अलावा ठाणे, पुणे, नासिक जैसे शहरों में भी लागू। नेशनल ड्राई डे (जैसे 15 अगस्त, 2 अक्टूबर) हर जगह होते हैं।

महाराष्ट्र में 2025 में कुल 25 ड्राई डे हैं - नवंबर के ये तीन शामिल!

पार्टी प्लानर्स के लिए टॉप टिप्सः ड्राई डे पर क्या करें?

अगर आपकी प्लानिंग इन डेट्स पर क्लैश हो रही है, तो निराश न हों! यहां कुछ स्मार्ट आईडियाजः-

1. अडवांस स्टॉकिंगः 31 अक्टूबर या 4/23 नवंबर को शॉपिंग कर लें। लेकिन लीगल लिमिट चेक करें (घरेलू स्टोरेज पर कोई सख्ती नहीं)।

2. मॉकटेल पार्टीः कई रेस्टोरेंट्स स्पेशल नॉन-अल्कोहलिक मेन्यू लाते हैं - वर्जिन मोहितो, फ्रूट पंच या हर्बल कॉकटेल्स ट्राई करें। मुंबई के ट्रेंडी स्पॉट्स जैसे लोव पैराडाइज या अरिया में चेक करें।

3. अल्टरनेटिव प्लान्सः

1 नवंबरः एकादशी व्रत पर मंदिर विजिट (सिद्धिविनायक) या फैमिली डिनर।

5 नवंबरः गुरुद्वारा बंगला साहिब जैसी जगह पर प्रार्थना, फिर सिख फूड फेस्ट।

24 नवंबरः शहीदी दिवस पर क्वाइट इवेनिंग - मूवी नाइट या होममेड जूस पार्टी।

4. अपडेट्स चेक करेंः लोकल एक्साइज डिपार्टमेंट की वेबसाइट या ऐप्स पर लास्ट-मिनट चेंजेस देखें। कभी-कभी इलेक्शन या लोकल इवेंट्स पर एक्स्ट्रा ड्राई डे ऐड हो जाते हैं।

5. ट्रैवलर्स अलर्टः अगर मुंबई घूमने आ रहे हैं, तो होटल बुकिंग से पहले पूछ लें - कुछ 5-स्टार में प्राइवेट स्टॉक अलाउड होता है।

प्रो टिपः ड्राई डे पर ट्रैफिक कम होता है - सॉफ्ट ड्रिंक्स के साथ सिटी एक्सप्लोर करें!

प्लानिंग ही है की?

नवंबर 2025 मुंबई के लिए पार्टी वाइब्स से भरा है, लेकिन ये तीन ड्राई डे (1, 5, 24 नवंबर) आपकी प्लान्स को थोड़ा 'ड्राई' कर सकते हैं। लेकिन यही तो भारत का कल्चर है - त्योहारों का सम्मान, जिम्मेदारी से एंजॉयमेंट! अगर आप होस्ट हो रहे हैं, तो मॉकटेल्स को स्टार बनाएं।

नीता अंबानी की फेवरेट साड़ी की कीमत है लाखों में, पहले सिर्फ रानियों के लिए होती थी तैयार

(जीएनएस)।

नीता अंबानी अपने शाही अंदाज और क्लासिक फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। परिवार का फंक्शन हो या कोई बिजनेस इवेंट हो, उनका लुक हमेशा चर्चा में रहता है। नीता अंबानी के पारंपरिक परिधानों में सबसे खास जगह रखती है कांजीवरम साड़ी। यह भारतीय परंपरा और शाही स्टाइल की प्रतीक मानी जाती है। इन साड़ियों को तैयार करने में महीनों का वक्त लगता है और एक-एक साड़ी की कीमत लाखों रुपये में होती है।

नीता अंबानी की कांजीवरम साड़ियों की खासियत यह है कि इसे कभी सिर्फ दक्षिण भारत की रानियों और राजघराने की औरतों के लिए तैयार किया जाता था। इसकी वजह है कि इसे कारीगर खास तौर पर हाथ से तैयार करते थे और इनमें सोने की तारों से काम किया जाता था। इतनी महंगी साड़ियां आम महिलाएं अफोर्ड नहीं कर सकती थीं।

लाखों में होती है साड़ियों की कीमत

- कांजीवरम साड़ियों की कीमत लाखों में होती है और यह विदेशों में भी भारतीय संस्कृति और बुनकर उद्योग की पहचान के तौर पर जानी जाती है।

- इन साड़ियों की कीमत बुनाई,

डिजाइन और इस्तेमाल किए गए रेशम व जरी के आधार पर तय होती है। एक साधारण कांजीवरम साड़ी जहां ₹50,000 से शुरू होती है, वहीं असली और हैंडवोवन (हाथ से बुनी) साड़ियां लाखों रुपए तक की होती हैं।

- नीता अंबानी के पास मौजूद साड़ियां अक्सर ₹3 लाख से ₹10 लाख तक की बताई जाती हैं। इनकी बुनाई में शुद्ध सोने और चांदी की जरी का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे ये और भी कीमती बन जाती हैं। इनका पैटर्न भी कांचीपुरम के मशहूर कारीगर तय करते हैं।

इतिहास है दिलचस्प

- कांजीवरम साड़ी को "क्वीन ऑफ सिल्क साड़ी" कहा जाता है।

सोनपुर मेला की राह आसान बनाएंगी ये ट्रेनें, कई स्टेशनों पर होगा इन ट्रेनों का स्टॉपेज

(जीएनएस)।

विश्व प्रसिद्ध हरिहरक्षेत्र सोनपुर मेला में भारी श्रद्धालुओं की होने वाली भीड़ के मद्देनजर रेलवे ने खास पहल की है। रेलवे ने कई ट्रेनों का स्टॉपेज विभिन्न स्टेशनों दिया है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 04 से 06 नवम्बर, 2025 तक निम्नलिखित गाड़ियों का विभिन्न स्टेशनों पर 01 मिनट का अतिरिक्त अस्थाई ठहराव प्रदान किया जायेगा।

मुजफ्फरपुर-सोनपुर रेल खंड

-11124 बरौनी-ग्वालियर एक्सप्रेस का 04 नवम्बर, 2025 को रामदयालुनगर, तुर्की, कुढ़नी एवं घोसवर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा। 15203 बरौनी-लखनऊ एक्सप्रेस का 04 नवम्बर, 2025 को रामदयालुनगर, तुर्की, कुढ़नी, गोरौल, भगवानपुर, सराय एवं घोसवर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा। 14005 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस का 05 नवम्बर, 2025 को रामदयालुनगर, तुर्की, कुढ़नी, सराय एवं घोसवर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

15027 सम्बलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस का 05 नवम्बर, 2025 को रामदयालुनगर, तुर्की, कुढ़नी, सराय एवं घोसवर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा। सोनपुर-मुजफ्फरपुर रेल खंड- 11123 ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस का 05 नवम्बर, 2025 को घोसवर, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा। 02564 नई दिल्ली-बरौनी विशेष गाड़ी का 05

नवम्बर, 2025 को सोनपुर, हाजीपुर, घोसवर, सराय, भगवानपुर, गोरौल, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

15028 गोरखपुर-सम्बलपुर एक्सप्रेस का 05 नवम्बर, 2025 को घोसवर, सराय, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा। 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस का 05 नवम्बर, 2025 को घोसवर, सराय, भगवानपुर, गोरौल, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा। 14006 आनन्द विहार टर्मिनल-सीतामढ़ी एक्सप्रेस का 05 नवम्बर, 2025 को घोसवर, सराय, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

13020 काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस का 05 नवम्बर, 2025 को घोसवर, सराय, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा। 14524 अम्बाला कैंट-बरौनी एक्सप्रेस का 05 नवम्बर, 2025 को घोसवर, भगवानपुर, गोरौल, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा। 15204 लखनऊ जं.-बरौनी एक्सप्रेस का 06 नवम्बर, 2025 को घोसवर, सराय, भगवानपुर, गोरौल, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एकता नगर में जनजातीय गौरव वर्ष उत्सव तथा भारत पर्व का भव्य शुभारंभ

- जनजातीय गौरव वर्ष उत्सव जनजाति समाज के गौरव को उजागर करने वाला उत्सव है : आदिजाति विकास राज्य मंत्री श्री पी. सी. बरंडा
- विषय विशेषज्ञों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र एवं संघर्ष गाथा तथा अमूल्य योगदान से अवगत कराया गया

गांधीनगर, 02 नवम्बर:भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष उत्सव के हिस्से के रूप में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं योगदान विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद कार्यक्रम उद्घाटन सत्र का टैंट सिटी-2 एकता नगर से प्रारंभ कराते हुए गुजरात सरकार के आदिजाति विकास राज्य मंत्री श्री पी. सी. बरंडा ने कहा कि जनजातीय समाज के गौरव को दशार्ने का यह उत्सव है। जल, जंगल व जमीन के साथ जनजातियों की अस्मिता व सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2021 से इस उत्सव की घोषणा की थी। वर्ष 2047 तक आदिजाति विकास को सुनिश्चित कर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने रोड मैप तैयार किया है। विकसित भारत की बात जब आती है, तब गुजरात राज्य देश का रोल मॉडल बना है। आदिजाति समुदाय को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, पशुपालन के साथ सभी क्षेत्रों में केन्द्र-राज्य सरकार ने परिणामदायी प्रयत्न किए हैं।

राष्ट्रीय स्तर के इस परिसंवाद के उद्घाटन सत्र के दौरान अध्यापकों-विद्यार्थियों की उपस्थिति में देश के विभिन राज्यों के विषय विशेषज्ञों ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन कार्य पर आधारित व्याख्यानों एवं शोध पत्रों की प्रस्तुति की तथा विचार-विमर्श किया। इसके अलावा, प्राध्यापक-शिक्षकों को कार्यक्रम में सहभागी होने के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर उदयपुर के सांसद श्री मन्नालाल रावत, भरूच के सांसद श्री मनसुखभाई वसावा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री भीमसिंह तडवी, नांदोद की विधायक डॉ. दर्शनाबेन देशमुख, आदिजाति विकास विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती शाहमीना हुसैन, सेवानिवृत्त चुनाव आयुक्त श्री संजय प्रसाद, ओडिशा के सेवानिवृत्त टीआरआई निदेशक श्री ए. बी. ओटा, झारखंड-राँची आदिवासी कल्याण अनुसंधान संस्थान के श्री राजेन्द्र कुमार, बिरसा मुंडा ट्राइबल यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. मधुकर पाडवी, आदिजाति विकास निदेशक श्री आशिष कुमार सहित उच्चाधिकारी, विषय विशेषज्ञ, अध्यापक, शिक्षक, विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि 1 से 15 नवंबर, 2025 के दौरान एकता नगर में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र तथा संघर्ष गाथा प्रदर्शनी के माध्यम से उनके अमूल्य योगदान से विभिन्न राज्यों के पर्यटकों को अवगत कराया जाएगा।

इस अवसर पर जनजातीय गौरव वर्ष तथा भारत पर्व के उपलक्ष्य में आदिजाति परंपरा पिठोरा-वारली चित्रकला, आदिजाति कला संस्कृतिक की प्रदर्शनी, हस्तकला कृति की प्रदर्शनी, आदिवासी परंपरागत खाद्य उत्पादों, वाद्यों, वनौषधीय चिकित्सा प्राणियों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जाएगी। समग्र देश में बसने वाले आदिवासी समुदायों की विविधतापूर्ण सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत जग विख्यात है। आदिवासियों की सामाजिक-सांस्कृतक विरासत को उजागर करने के लिए प्रतिदिन शाम को भव्य आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होने वाले हैं। गुजरात के विख्यात आदिवासी नृत्यों के माध्यम से आदिवासी सांस्कृतिक विरासत की प्रतीति कराई जाएगी।

15 नवंबर, 2025 यानी भगवान बिरसा मुंडा का जन्म दिवस, जिसे जनजातीय गौरव दिवस के रूप में समग्र राष्ट्र में मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य में विशाल जन समूह तथा गरिमामय महानुभावों की उपस्थिति में 15 नवंबर तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस कार्यक्रम में गुजरात के 151 स्वतंत्रता सेनानियों के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तथा भगवान बिरसा मुंडा के यशस्वी जीवन चरित्र का वर्णन करने वाली पुस्तकों का महानुभावों के करकमलों से अनावरण किया जाएगा।

मेक्सिको के उत्तर-पश्चिमी राज्य सोनोरा के हर्मोसिलो शहर में सुपरमार्केट विस्फोट में बच्चों समेत 23 लोगों की दर्दनाक मौत

(जीएनएस)।

मेक्सिको के उत्तर-पश्चिमी राज्य सोनोरा के हर्मोसिलो शहर में शनिवार (1 नवंबर 2025) को एक डिस्काउंट सुपरमार्केट में हुए विस्फोट और भीषण आग ने पूरे देश को सदमे में डाल दिया। इस हृदयविदारक घटना में बच्चों समेत कम से कम 23 लोगों की जान चली गई, जबकि 11 अन्य घायल हो गए।

मृतकों के परिवारों के लिए यह 'मृतकों का दिन' (डे ऑफ द डेड) का अवकाश वाला सप्ताहांत काला अध्याय बन गया, जब पूरा देश रंग-बिरंगे उत्सवों के साथ अपनों को याद कर रहा था। आइए जानते हैं पूरी घटना की डिटेल्स...

हर्मोसिलो शहर के केंद्र में स्थित लोकप्रिय डिस्काउंट चेन 'वाल्डोज' के स्टोर में शनिवार दोपहर करीब 2 बजे (स्थानीय समय) एक जोरदार विस्फोट हुआ। इससे भयानक आग लग गई, जिसने पूरे भवन को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि स्टोर के शीशे उड़ गए और सामने का हिस्सा काला पड़ गया। आसपास के दुकानदारों ने आग फैलने से रोकने के लिए तुरंत अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए।

आग अब बुझ चुकी है, लेकिन बचाव कार्य अभी भी जारी है। सोनोरा के अग्निशमन प्रमुख ने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या विस्फोट हुआ था या केवल आग ही थी। मृतकों में कई बच्चे शामिल हैं, जो परिवार के साथ खरीदारी के लिए स्टोर में थे। घायलों को हर्मोसिलो के छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

सोनोरा के अटॉर्नी जनरल गुस्टावो

सलास ने फॉरेंसिक रिपोर्ट के हवाले से कहा कि ज्यादातर मौतें विस्फोट के सीधे असर से नहीं, बल्कि निकलने वाली जहरीली गैसों को सांस में लेने से हुईं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बिजली के ट्रांसफॉर्मर की खराबी को इसका कारण बताया गया है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

गवर्नर की प्रतिक्रियाः पारदर्शी जांच का आदेश

सोनोरा के गवर्नर अल्फोंसो दुराजो ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'यह सोनोरा के लिए एक दुखद दिन है, खासकर उन परिवारों के लिए जिन्होंने हर्मोसिलो शॉपिंग सेंटर में अपनों को खो दिया। दुर्भाग्य से, पाए गए शवों में कई नाबालिग बच्चे शामिल हैं।' गवर्नर ने विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत और पारदर्शी जांच का आदेश दिया है। उन्होंने घायलों के इलाज और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

राष्ट्रपति शीनबाम का शोकः फेडरल सहायता टीम रवाना

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम (ढश्रीशील्ल३ ग्रैल्लुं४) ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, 'हर्मोसिलो के सेंट्रल स्टोर में लगी आग में जान गंवाने वालों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।' उन्होंने गवर्नर दुराजो से बातचीत के बाद इंटीरियर सेक्रेटरी रोसा इसेला रॉड्रिगेज को निर्देश दिया कि पीड़ितों की मदद के लिए फेडरल सपोर्ट टीम तुरंत हर्मोसिलो भेजी जाए। राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र सरकार हर कदम पर राज्य के साथ खड़ी है।

सोनोरा के रेड क्रॉस ने बताया कि बचाव कार्य में उसके 40 कर्मचारी और 10 एम्बुलेंस लगे हुए हैं। टीम ने अस्पतालों के बीच छह चक्कर लगाकर घायलों को सुरक्षित पहुंचाया। स्थानीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह स्टोर किसी हमले या हिंसक घटना का शिकार नहीं था। सोनोरा प्रॉसिक्यूटर्स ऑफिस ने कहा, 'घटना दुर्घटनावश ही लग रही है, स्टोर के अंदर लगे ट्रांसफॉर्मर की जांच की जा रही है।'

मृतकों का दिन पर काला छायाः परिवारों का दर्द

यह घटना ऐसे समय घटी जब मेक्सिको 'डे ऑफ द डेड' के रंगीन उत्सव में डूबा हुआ था। परिवार अपने दिवंगत परिजनों को श्रद्धांजलि दे रहे थे, लेकिन इस हादसे ने कई घरों को मातम में बदल दिया। स्थानीय लोग सदमे में हैं, और सोशल मीडिया पर शोक संदेशों की बाढ़ आ गई है।

अधिकारी जांच पूरी होने तक कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाल रहे। फेडरल और स्टेट एजेंसियां मिलकर साइट पर फॉरेंसिक और फायर एक्सपर्ट्स की मदद से कारणों का पता लगाएंगी। गवर्नर दुराजो ने कहा, 'हम जिम्मेदारों को सजा दिलाएंगे और प्रभावितों को हर सहूलियत देंगे।'

यह दुखद हादसा मेक्सिको की सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े कर रहा है। पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं! मेक्सिको के लोग इस संकट की घड़ी में एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे।

40,000 रुपये में मंत्री का फर्जी लेटर, ट्रांसफर से लेकर सब काम, सवाल करने पर बड़ा खुलासा, जानिए कैसे

(जीएनएस)।

नौकरशाही में भ्रष्टाचार का एक नया चेहरा सामने आया है, जहां सिर्फ 40,000 रुपये में एक सहायक सचिव का ट्रांसफर रुकवाने के लिए प्रदेश के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री राकेश सिंह के नाम से फर्जी लेटर तैयार कर लिया गया। यह फजीर्वाड़ा तब उजागर हुआ जब गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) के नेता सतीश नागवंशी ने मंत्री से सीधा सवाल किया।

हैरानी की बात यह है कि मंत्री को खुद इस 'लेटर' की जानकारी नहीं थी। जांच में खुलासा हुआ कि सिवनी निवासी इस्माइल खान ने पैसे लेकर यह सारा कारोबार संभाला था। इस मामले ने न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर किया है, बल्कि सरकारी दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आइए, इस पूरे घटनाक्रम को विस्तार से समझते हैं।

फर्जी लेटर का खेलः ट्रांसफर रुकवाने की साजिश

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में पंचायत स्तर पर तैनात सहायक सचिव दिनेश साहू को हाल ही में ट्रांसफर का आदेश मिला था। ट्रांसफर से परेशान साहू ने सिवनी के इस्माइल खान से संपर्क किया। इस्माइल ने साहू को भरोसा दिलाया कि वह ऊपरी स्तर पर रसूख का इस्तेमाल कर ट्रांसफर रुकवा देगा। लेकिन असल में, इस्माइल ने सिर्फ 40,000 रुपये लेकर एक फर्जी लेटर तैयार करवाया, जिसमें पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह के हस्ताक्षर और नाम का इस्तेमाल किया गया था।

यह लेटर कथित तौर पर मंत्री कार्यालय से जारी हुआ था, जिसमें साहू के ट्रांसफर को 'निरस्त' करने का आदेश दिया गया था। लेटर में लिखा थाः "सहायक सचिव दिनेश साहू के स्थानांतरण को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है।" इस दस्तावेज को साहू ने जिला प्रशासन में जमा कर दिया, और ट्रांसफर प्रक्रिया रुक गई। इस्माइल ने साहू से वसूली गई राशि में से लेटर बनवाने, प्रिंटिंग और 'डिलीवरी' का पूरा पैकेज शामिल किया था। साहू को लग रहा था कि यह सब वैध है, लेकिन यह एक सुनियोजित धोखाधड़ी थी।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस्माइल खान (44 वर्ष, पिता यासीन खान) पहले से ही ऐसे छोटे-मोटे 'एजेंट' के रूप में जाना जाता था। वह सरकारी अधिकारियों के नाम का दुरुपयोग कर ट्रांसफर, प्रमोशन और अन्य प्रशासनिक कामों में मध्यस्थता करता था। इस मामले में एक तीसरा व्यक्ति साहिल भी शामिल था, जो लेटर की नकली मुहर और हस्ताक्षर तैयार करने में मददगार साबित हुआ।

सवाल ने खोली पोलः मंत्री की हैरानी और तत्काल कार्रवाई

यह फजीर्वाड़ा तब सामने आया जब गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष सतीश नागवंशी ने एक जनसभा के दौरान प्रभारी मंत्री राकेश सिंह से सवाल किया। नागवंशी ने कहा, "साहब, क्या आप इतने छोटे

कर्मचारियों के लिए भी ट्रांसफर रुकवाने के लेटर जारी कर रहे हैं? क्या यह मंत्री स्तर का निर्णय है?"

मंत्री राकेश सिंह यह सुनकर स्तब्ध रह गए। उन्होंने तुरंत नागवंशी से दस्तावेज मांगा। नागवंशी ने लेटर की कॉपी दिखाई, जिसमें मंत्री के नाम, पदनाम और हस्ताक्षर स्पष्ट थे। लेकिन राकेश सिंह ने स्पष्ट किया कि उन्होंने ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया। तत्काल उन्होंने अपने निजी स्टाफ (ओएसडी और पीएस) से संपर्क किया। स्टाफ ने पुष्टि की कि मंत्री कार्यालय से ऐसा कोई पत्र कभी जारी नहीं हुआ। लेटर का फॉर्मेट तो सरकारी था, लेकिन नंबर, तारीख और हस्ताक्षर सब नकली थे।

इसके बाद मंत्री ने फौरन छिंदवाड़ा जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए। "यह सरकारी दस्तावेजों का अपमान है। तत्काल जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो," मंत्री ने कहा। नागवंशी की यह पहल न केवल विपक्ष की सक्रियता को दशार्ती है, बल्कि स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता की मांग को भी मजबूत करती है। नागवंशी ने बाद में कहा, "हमारी पार्टी हमेशा जनहित में सवाल उठाती है। यह खुलासा साबित करता है कि भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं।"

जांच का खुलासाः 40,000 का 'पैकेज' और गिरफ्तारियां

पुलिस ने मामले की तुरंत जांच शुरू की। छिंदवाड़ा एसपी की अगुवाई में बनी एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) ने साहू और इस्माइल के बीच हुई बातचीत के रिकॉर्ड, बैंक ट्रांजेक्शन और गवाहों के बयान दर्ज किए। जांच में सामने आया किः

इस्माइल खान की भूमिकाः सिवनी का रहने वाला इस्माइल खान मुख्य आरोपी था। उसने साहू से 40,000 रुपये नकद लिए थे। इसमें लेटर डिजाइनिंग (कंप्यूटर ग्राफिक्स से नकली हस्ताक्षर), प्रिंटिंग, लेटरहेड और 'डिलीवरी' शामिल थी। इस्माइल ने दावा किया कि उसके पास 'स्रोत' हैं, लेकिन सब झूठ था।

दिनेश साहू का कनेक्शनः सहायक सचिव साहू ने ट्रांसफर से बचने के चक्कर में इस्माइल से संपर्क किया। वह जानबूझकर फर्जी दस्तावेज इस्तेमाल करने को तैयार हो गया।

साहिल का फरार होनाः साहिल, जो इस्माइल का साथी था, ने लेटर की तकनीकी तैयारी की। वह अभी फरार है, और पुलिस ने उसकी तलाश के लिए अलर्ट जारी कर दिया है।

2 नवंबर 2025 (रविवार) को दोनों मुख्य आरोपी - इस्माइल खान और दिनेश साहू - को गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट में पेशी के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 420 (धोखाधड़ी), 465 (जालसाजी), 468 (जालसाजी का दुरुपयोग) और 471 (जाली दस्तावेज का उपयोग) के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस्माइल के घर से कंप्यूटर, प्रिंटर और नकली लेटरहेड बरामद किए हैं।

जिला कलेक्टर ने कहा, "ट्रांसफर ऑर्डर अब डिजिटल सत्यापन से गुजरेंगे। कोई भी दस्तावेज बिना वेरिफिकेशन के स्वीकार नहीं होगा।" यह घटना मध्य प्रदेश में चल रहे ट्रांसफर सीजन के बीच आई है, जहां सैकड़ों अधिकारियों के तबादले हो रहे हैं।

भ्रष्टाचार पर सवालः एजेंट संस्कृति और प्रशासनिक सुधार की जरूरत

यह मामला मध्य प्रदेश की नौकरशाही में व्याप्त 'एजेंट संस्कृति' को आईना दिखाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी कामों में मध्यस्थों का दखल बढ़ रहा है, खासकर छोटे स्तर पर। पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. अजय सिंह ने कहा, "40,000 रुपये में मंत्री का नाम इस्तेमाल करना सस्ता भ्रष्टाचार है। लेकिन इससे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। डिजिटल ट्रैकिंग और ई-ऑफिस सिस्टम को मजबूत करने की जरूरत है।"

विपक्षी दलों ने सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने ट्वीट किया, "मंत्री स्तर पर फजीर्वाड़ा - यह बीजेपी सरकार की नाकामी है। ट्रांसफर-पोस्टिंग में पारदर्शिता लाएं।" वहीं, जीजेपी ने इसे आदिवासी बहुल छिंदवाड़ा में भ्रष्टाचार का प्रतीक बताया।

मंत्री राकेश सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हम भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रखते हैं। यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन हम इसे जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। सभी दस्तावेजों की ऑनलाइन वेरिफिकेशन अनिवार्य होगी।"

सबक और भविष्य की उम्मीदें

यह फर्जी लेटर कांड न केवल एक व्यक्ति की लालच की कहानी है, बल्कि पूरे सिस्टम की कमजोरियों को उजागर करता है। सतीश नागवंशी जैसे सजग नागरिकों की वजह से ही ऐसे घोटाले बाहर आते हैं। गिरफ्तारियों के बाद साहिल की तलाश जारी है, और पुलिस को उम्मीद है कि पूरे नेटवर्क का पदार्फाश होगा। मध्य प्रदेश सरकार को अब कड़े कदम उठाने होंगे - वरना ऐसे 'सस्ते' फजीर्वाड़े बढ़ते जाएंगे।

मोकामा हत्याकांडः अनंत सिंह के बाद जन सुराज उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी भी जाएंगे जेल? डीजीपी ने दिया बड़ा बयान

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच पटना जिले के मोकामा से जुड़ा दुलारचंद यादव हत्याकांड अब सियासी और कानूनी दोनों मोर्चों पर बड़ा मुद्दा बन गया है। बाहुबली नेता और जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने रविवार (02 नवंबर) को प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट कहा कि जो भी इस हिंसक वारदात में शामिल था, उसकी गिरफ्तारी तय है। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

◆ डीजीपी का बयान-"हर आरोपी की होगी गिरफ्तारी"

डीजीपी विनय कुमार ने रविवार (02 नवंबर) को बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक दुलारचंद की मौत भारी चीज से कुचले जाने के कारण हुई। रिपोर्ट में कई गंभीर चोटों और गोली लगने के निशान की पुष्टि भी हुई है। उन्होंने कहा, "अब तक 80 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है और जांच में जो भी नाम आएंगे, उन सबकी गिरफ्तारी होगी।"

डीजीपी ने यह भी जोड़ा कि घटना स्थल पर मौजूद हर व्यक्ति की जिम्मेदारी तय होगी क्योंकि उस वक्त वहां का माहौल दंगे जैसा था। इस बयान के बाद यह लगभग तय माना जा रहा है कि अब पीयूष प्रियदर्शी की गिरफ्तारी भी कभी भी हो सकती है।

◆ कैसे भड़की मोकामा में हिंसा

बीते गुरुवार (30 अक्टूबर) को मोकामा में राजद नेता दुलारचंद यादव की हत्या ने पूरे इलाके में तनाव फैला दिया। चश्मदीदों के मुताबिक, घटना उस वक्त हुई जब जन सुराज उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी के समर्थक इलाके में प्रचार कर रहे थे। तभी जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह के समर्थकों से भिड़ंत हो गई। पत्थरबाजी, गोलीबारी और भगदड़ के बीच दुलारचंद यादव की मौत हो गई।

परिजनों ने आरोप लगाया कि अनंत सिंह और उनके समर्थकों ने गोली चलाने के बाद गाड़ी चढ़ाकर दुलारचंद की हत्या कर दी। इस पूरे मामले में अब तक चार एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं दो दोनों पक्षों की तरफ से, एक पुलिस की ओर से और एक मृतक के परिवार की तरफ से।

◆ अनंत सिंह फिर पहुंचे बेऊर जेल

शनिवार (01 नवंबर) देर रात अनंत सिंह को उनके घर बेढ़ना (बाढ़) से गिरफ्तार किया गया। रात दो बजे के करीब पटना DM डॉ. त्यागराजन और SSP कार्तिकेय शर्मा ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी पुष्टि की। रविवार को कोर्ट में पेशी के बाद उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेज दिया गया।

यह वही जेल है जहां से तीन महीने पहले वे मोकामा गोलीकांड के मामले में जमानत पर बाहर आए थे। गिरफ्तारी के वक्त अनंत सिंह सफेद पैंट-शर्ट और काले चश्मे में नजर आए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वे पूरी रात जागे रहे और बार-बार यही कहते रहे "घटना के वक्त मैं काफिले से आगे था, पीछे क्या हुआ मुझे नहीं पता।"

◆ प्रशासन सख्त, चुनाव आयोग भी अलर्ट

मोकामा की हिंसा के बाद चुनाव आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। शनिवार देर शाम बाढ़ के रऊ्ट चंदन कुमार, ग्रामीण रढ विक्रम सिहाग और रऊढड राकेश कुमार को हटा दिया गया। उनकी जगह नए अफसरों की नियुक्ति की गई है। DM त्यागराजन ने कहा, "आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। अवैध हथियार जब्त करने के आदेश दिए जा चुके हैं और हर विधानसभा क्षेत्र में 50 से ज्यादा चेकिंग पॉइंट बनाए गए हैं।"

◆ दुलारचंद यादव का पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा

पोस्टमार्टम में दुलारचंद यादव के शरीर पर गहरे घाव, पसलियां टूटी हुई और फेफड़ों में इंटरनल ब्लीडिंग पाई गई है। रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि उनके शरीर पर गाड़ी चढ़ाए जाने जैसे निशान हैं। साथ ही दाहिने पैर के पास गोली लगने के संकेत भी मिले हैं। यानी पहले गोली मारी गई और फिर गाड़ी से कुचला गया।

◆ CID भी कर रही जांच

मोकामा हत्याकांड की जांच CID और जिला पुलिस संयुक्त रूप से कर रही है। पटना SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि मौके पर मौजूद कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, "वीडियो फुटेज और गवाहों के बयान से यह साफ है कि घटना के वक्त अनंत सिंह मौके पर मौजूद थे।" पुलिस अब घटनास्थल की हर फुटेज की बारीकी से जांच कर रही है ताकि यह साफ हो सके कि पीयूष प्रियदर्शी और उनके समर्थक किस हद तक इसमें शामिल थे।

अब सवाल यह है कि क्या अनंत सिंह के बाद पीयूष प्रियदर्शी की गिरफ्तारी चुनावी माहौल को और गर्मा देगी? राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह मामला मोकामा सीट को हाई-वोल्टेज बना चुका है। एक तरफ बाहुबली छवि वाले अनंत सिंह जेल में हैं, तो दूसरी ओर जनसुराज के युवा उम्मीदवार पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

आने वाले दिनों में यह केस बिहार की सियासत में सबसे चर्चित मामलों में से एक बन सकता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आरजेडी पर तीखा हमला, लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी आए तो हत्या, अपहरण और रंगदारी के नए विभाग खुल जाएंगे

(जीएनएस)।

मुजफ्फरपुर में आयोजित एक बड़ी जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेजस्वी यादव और आरजेडी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव को सत्ता मिल गई, तो बिहार में 'हत्या, अपहरण और रंगदारी' के तीन नए विभाग खुल जाएंगे। शाह ने आरोप लगाया कि आरजेडी के शासनकाल में बिहार पहले ही 'जंगलराज' झेल चुका है, और जनता अब दोबारा उस दौर में नहीं जाना चाहती।

एनडीए बनाएगा बिहार को 'बाढ़ मुक्त'

अमित शाह ने घोषणा की कि अगर एनडीए दोबारा सत्ता में आती है, तो बिहार को पूरी तरह बाढ़ मुक्त बनाने के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार विकास के नए युग की शुरूआत करेगी और कोशी, गंगा और गंडक नदियों का पानी किसानों के खेतों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे खेती और सिंचाई दोनों में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

'जंगलराज' की वापसी रोकने की अपील

वैशाली में आयोजित दूसरी सभा में शाह ने जनता से अपील की कि वे अपने वोट से आरजेडी के जंगलराज की वापसी को रोकें। उन्होंने कहा कि बीजेपी, जेडीयू, एलजेपी (आरवी), हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी मिलकर 'पांच पांडवों' की तरह बिहार को समृद्धि और सुरक्षा की राह पर ले जाएंगे।

मोदी सरकार की योजनाओं की चर्चा

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित और समृद्ध हुआ है। उन्होंने बताया कि बिहार के लिची उत्पादकों को राहत देने के लिए जीएसटी में कमी की गई है। साथ ही, मुजफ्फरपुर में 20,000 करोड़ रुपये की लागत से एक मेगा फूड पार्क बनाया जाएगा, जो स्थानीय किसानों और युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर खोलेगा।

सीता और राम मंदिर को जोड़ेगी वंदे भारत ट्रेन

गृह मंत्री ने ऐलान किया कि सीतामढ़ी के सीता मंदिर और अयोध्या के राम मंदिर को जोड़ने के लिए जल्द ही एक विशेष वंदे भारत ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगी और बिहार में रोजगार व आय के नए अवसर पैदा करेगी।

चुनावी संदेश साफः 'विकास बनाम जंगलराज'

अमित शाह के भाषण से एनडीए का संदेश साफ था - इस चुनाव में मुकाबला 'विकास बनाम जंगलराज' के बीच है। जहां एनडीए विकास और स्थिरता की बात कर रही है, वहीं आरजेडी पर 'भय और भ्रष्टाचार की राजनीति' का आरोप लगाया जा रहा है।